प्रतिदिन अखबार
# सखी
अमरावती, गुरुवार, 13 जून 2019
17

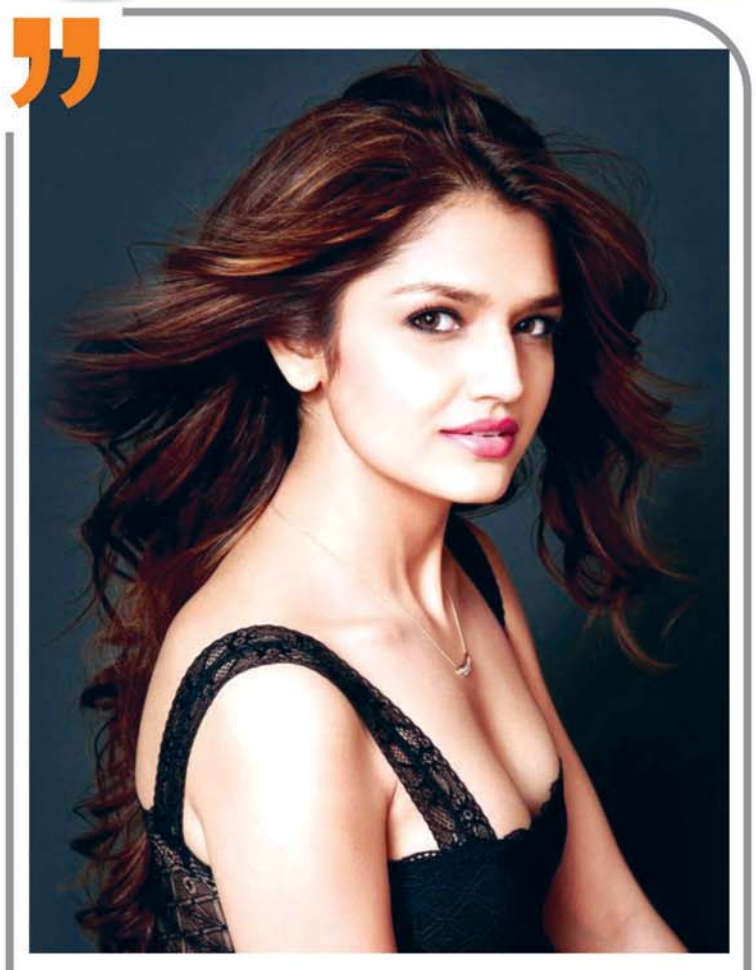

मुझे बचपन से ही आर्ट और एक्टिंग में दिलचस्पी थी. मैं किशोरावस्था में डिज्नी चैनल की एम्बेसेडर बन गई थी और 5 साल मैंने यह काम किया. कॉलेज में दाखिला लेने के बाद में अपनी सिंगिंग के सिलसिले में भी पूरे देश और दुनिया में घूमी.

# एक्टिंग और सिंगिंग के लिए ही बनी हूं

तारा सुतारिया की डेब्यू फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' बेशक बॉक्स पर कोई बड़ा धमाका करने में नाकाम रही हो परंतु उसमें निर्माता-निर्देशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है. सभी तो डेब्यू के इतने कम वक्त में ही वह दो और फिल्में साइन कर चुकी हैं.

उसकी अगली फिल्म आर. एक्स. 100. हिन्दी रिमेक के लिए भी साइन कर लिया है जिसमें सुनील शेट्टी का बेटा आहान शेट्टी डेब्यू करने जा रहा है.

इस फिल्म के लिए वह तैयारी करने के लिए कमर कस रही हैं जिसके तहत डायरेक्टर मिलन लूथारिया और एक लैंग्वेज ट्रेनर के साथ वह वर्कशॉप्स में हिस्सा लेने वाली है. उसे हिन्दी तो आती है परंतु इस फिल्म के लिए उसे हिन्दी पकड़ और मजबूत करनी होगी इसीलिए लैंग्वेज ट्रेनर उसकी हिन्दी की क्लास लेगा.

यह वर्कशॉप फिल्म के निर्माता साहिद नाडियाडवाला के मुम्बई स्थित दफ्तर में होगी.

एक सूत्र के अनुसार इस फिल्म में वह अपनी पहली दो फिल्मों से अलग छोटे शहर की लड़की की भूमिका में नजर आएंगी. यही वजह है कि इस फिल्म के लिए उसे अपनी हिन्दी में और सुधार करने का कहा गया है.

सूत्र ने कहा, उसकी इस भूमिका की कई परतें हैं और अपने रोल में उसे खाली हिन्दी बोलनी होगी. इसमें उसे एक खास अंदाज में बात करनी हेगी और टीम उसे इसी में माहिर बनाने पर जोर दे रही हैं.

फिल्म की तैयारी के सिलसिले में दूसरी वर्कशॉप में वह फिल्म के हीरो आहान के साथ हिस्सा लेंगी और वे एक-दूसरे को जानेंगे.

बताया जा रहा है कि इस फिल्म में आहान जबरदस्त एक्शन करता दिखाई देगा जिसके लिए वह भी स्पेशल ट्रेनिंग ले रहा है. फिल्म की शूटिंग जुलाई में शुरु कर दी जागी जिसका कुछ हिस्सा उत्तराखंड के खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी में शूट किया जाएगा.

तारा अच्छी गायिका भी हैं और हो सकता है कि इस फिल्म से वह सिंगिंग में भी डेब्यू करें. गौरतलब है कि तारा ने अपनी जुड़वा बहन तिया के साथ 5 साल की उम्र में डांस और सिंगिंग की ट्रेनिंग ली है.

### एक्टिंग और सिंगिंग दोनों करना चाहती हूं

तारा कहती हैं, मुझे बचपन से ही आर्ट और एक्टिंग में दिलचस्पी थी. मैं किशोरावस्था में डिज्नी चैनल की एम्बेसेडर बन गई थी और 5 साल मैंने यह काम किया. कॉलेज में दाखिला लेने के बाद मैं अपनी सिंगिंग के सिलसिले में पूरे देश और दुनिया में घूमी. सिंगिंग हमेशा से मेरा पहला प्यारा रहा है. वैसे जब मैं 5 साल की थी तो मैंने पहली बार और वह भी ओपेरा हाउस में परफॉर्म किया था. उस परफार्मेंस के वक्त ही मुझे अहसास हो चला था कि मैं कला के लिए बनी हूं. जब मैं छोटी थी और मुझसे पूछा जाता था कि मुझे क्या बनना है तो मैं सिंगर बनने की ही बात किया करती थी, मगर अब एक्टिंग और सिंगिंग दोनों करना चाहती हूं.

**फिल्म का चलना या न चलना अपने हाथ में नहीं, बल्कि दर्शकों के हाथ में होता है.**

**यही वजह है कि जो चीज मेरे हाथ में नहीं है, उसको लेकर मैं परेशान नहीं होता. मैं**

**लोगों के नजरिए को नहीं बदल सकती कि कौन मेरे बारे में क्या सोचता है.**

# जिंदगी में रिस्क जरूरी

सोनाक्षी सिन्हा की पिछले साल दो फिल्में आई थी. वेलकम टू न्यूयॉर्क और हैप्पी फिर भाग जाएगी, लेकिन दोनों ही फिल्में फ्लॉप रही. हाल ही में वह फिल्म कलंक में नजर तो जरुर आईं लेकिन सेकंड लीड में. हालांकि छोटी भूमिका होने के बावजूद उनका रोल दमदार था, जिसमें वह अपने एक्सप्रेशन्स और एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहीं. फिलहाल सोनाक्षी कई फिल्मों का हिस्सा हैं, जिसे लेकर वह उत्साहित भी हैं. पेश हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

***कलंक में सेकंड लीड करने का निर्णय कैसे लिया?***

दरअसल, इस फिल्म में तीन जोड़ियां है और तीनों जोड़ियों को अपनी एक अलग जर्नी एवं इम्पोर्टेंस है. इसलिए इसमें कोई भी फर्स्ट या सेकंड लीड जैसी बात नहीं थी. आपने देखा होगा कि फिल्म में हर किरदार की अपनी अलग अहमियत है. इस किरदार के संबंध में मेरा यही मानना है कि अगर आप किसी फिल्म की कहानी से संतुष्ट है, उसमें अपने किरदार से खुश हैं, तो फिर दूसरी बातें बेमानी हो जाती हैं.

***आपने पहली बार आलिया भट्ट जैसी टैलेंटेड एक्ट्रेस के साथ काम किया. कैसा अनुभव रहा.***

आलिया एक डिसेंट लड़की हैं. वह इनोसेंट बबली हैं. हमने सेट पर बहुत एन्जॉय किया. मैं, आदित्य वरुण और आलिया जब भी सैट पर साथ में होते थे, तो शूटिंग कम, मस्ती ज्यादा होती थी. आलिया का स्वभाव ऐसा है कि वह कभी किसी से नाराज नहीं होती. वह एक उम्दा एक्ट्रेस है. कुछ ही सालों में इंडस्ट्री में उसने अपने लिए खास जगह बनाई है. वह बहुत आगे तक जाने वाली अभिनेत्री है.

***माधुरी दीक्षित और संजय दत्त जैसे स्टार्स के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?***

माधुरी मैम और संजय दत्त सर के साथ काम करने का अनुभव बेहतरीन रहा. संजू सर तो बहुत शांत स्वभाव के हैं, जबकि माधुरी मैम हमारी तरह ही मस्ती पसंद हैं. मैं तो माधुरी मैम की बहुत बड़ी फैन हूं. जब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला तो बहुत खुशी हुई.

***पिछली कुछ फिल्मों की असफलता के बाद कलंक भी हिट नहीं हो पाई. क्या नाकामियों से निराश भी होती हैं?***

हर कलाकार की जिंदगी में एक दौर ऐसा होता है, जब वह निराश हो जाता है. उसके पास ज्यादा काम नहीं होता. कई बार तो घर बैठने तक की नौबत आ जाती है. लेकिन इस दौरान निराश होने की बजाय अपनी बाकी चीजों पर ध्यान देना चाहिए. जब आपका बुरा वक्त खत्म हो जाएगा तो काम मिलने लगेगा. मेरे साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ लेकिन पिछली नाकामियों को भुला कर आगे बढ़ने में ही चतुराई है. इतने दिनों तक इंडस्ट्री में एक्टिव रहने के बाद मैं समझ चुकी हूं कि हिट का शोर शराबा और फ्लॉप की मायूसी, दोनों बेमानी है. यदि मेरे पास काम है और मेरी अगली फिल्म शुरु हो चुकी है, तो मेरी कोशिश यही होती है कि पहले वाली गलतियों को न दोहराऊं और अपना काम दिल से करते हुए 100 प्रतिशत लगा दूं.

***फिल्मों की नाकामियों के पीछे क्या कारण मानती हैं?***

फिल्म का चलना या न चलना अपने हाथ में नहीं, बल्कि दर्शकों के हाथ में होता है. यही वजह है कि जो चीज मेरे हाथ में नहीं है. उसको लेकर मैं परेशान नहीं होती. मैं लोगों के नजरिए को नहीं बदल सकती कि कौन मेरे बारे क्या सोचता है. मेरी कोशिश यही होती है कि मैं अच्छा काम करुं. रिस्क के बिना जिंदगी आगे नहीं बढ़ सकती. मुझे कॉमेडी फिल्में करना अच्छा लगता है, तो मैं ऐसा करती हूं.

***दबंग 3 में आपका क्या रोल है. सुनने में आया है कि इसमें आपका रोल काफी छोटा है?***

फिल्म दबंग 3 बहुत ही अच्छी बन रही है, अभी मैं इसके बारे में ज्यादा तो नहीं बता पाऊंगी लेकिन इतना ही कह सकती हूं कि यह मेरी पहली फिल्म दबंग की तरह ही दर्शकों को पसंद आएगी. रोल रज्जो का ही है. सच कहूं तो दबंग 3 में मैं सलमान के अपोजिट एक बिल्कुल नए लुक में नजर आऊंगी और मेरा किरदार फिल्म में ठीक उसी तरह का है, जैसा दूसरी फिल्मों में होता है.

न करुं.फिलहाल तो मैं किसी हिंदी फिल्म में काम नहीं कर रही, लेकिन मैं हिंदी फिल्में करने के लिए तैयार हूं.

***क्या हिंदी फिल्मों के ऑफर ही आपके पास नहीं आ रहे है?***

नहीं, ऐसी बात नहीं है. ऑफर तो रोज मिलते है,लेकिन अब मेरी च्वाइस थोड़ी चेंज हो गई. हालांकि, फिलहाल काफी स्क्रिप्ट्स फाइनल होती है,जरुर बता दूंगी. सच कहूं तो मैंने अभी तक जितनी हिंदी फिल्मों में काम किया है, उनमें से मेरी परफॉर्मेस नजर नहीं आ सकी है, इसलिए अब ऐसी फिल्म करुंगी, जिनमें मेरे काम की झलक सामने आ सके.

- **जन्म-** 21 दिसंबर 1989
- **जन्म स्थल-** मुंबई
- **माता-पिता-** रजनी भाटिया-संतोष भाटिया
- **अवार्ड-** केईसी यूनिवर्सिटी दक्षिण कोरिया द्वारा मानद डॉक्ट्रेट
- **पहली फिल्म-** चांद सा रोशन चेहरा
- **अन्य फिल्में-** हिम्मतवाला, हमशक्ल, एंटरटेनमेंट, बहुबली द बिगिनिंग, बहुबली द कनक्लूजन, तूतक तूतक तूतिया,
- **आनेवाली फिल्म-** खामोशी

अब मैं अपने बारे में बेहतर फैसले लेने में सक्षम हो गई.एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में मेरी जिंदगी बदलने के लिए एसएस. राजमौली की सुपरहिट फिल्म बाहुबली ने काफी मदद की.

# ... तो तोड़ दूंगी सारे नियम

## तमन्ना भाटिया

हिंदी फिल्म से लेकर साउथ सिनेमा जाना-माना नाम बननेवाली तमन्ना भाटिया को दोनों फिल्म इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री माना जाता है. यह अलग बात है कि साउथ इंडियन फिल्म के लिए लगभग 1 करोड़ रुपए फीस चार्ज करनेवाली तमन्ना ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में अब तक कोई खास सफलता प्राप्त नहीं की है.लेकिन उनका संघर्ष जारी है. पेश है उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

***सुपरहिट बाहुबली सीरीज के दोनों भागों का हिस्सा होने का कितना फायदा हुआ?***

इस सीरीज की फिल्मों ने न केवल मुझे शारीरिक रुप से साहसी बनाया है,बल्कि जिंदगी में फैसले लेने के मामले में भी बहादुर बनाया है.अब मैं अपने बारे में बेहतर फैसले लेने में सक्षम हो गई हूं. एक कलाकार और एक व्यक्ति के रुप में मेरी जिंदगी बदलने के लिए एमएस राजमौली की सुपरहिट फिल्म बाहुबली ने काफी मदद की.

***साऊथ सिनेमा में आपका डंका बजता है, लेकिन हिंदी सिनेमा में अब तक आप संघर्ष कर रही है क्यों?***

दरअसल, हिंदी सिनेमा में मैंने कुछ गलत स्क्रिप्ट का चयन कर लिया था, जिसकी वजह से मेरी फिल्में फ्लॉप हो गई.इसलिए अब मेरी यह कोशिश है कि ऐसी गलती दोबारा न करुं.फिलहाल तो मैं किसी हिंदी फिल्म में काम नहीं कर रही, लेकिन मैं हिंदी फिल्में करने के लिए तैयार हूं.

***आप भरतनाट्यम में निपुण है. इस डांस फार्म को सीखना कितना चैलेंजिंग रहा?***

बहुत ही चैलेंजिंग, क्योंकि भरतनाट्यम सीखना वाकई बहुत मुश्किल है. शायद इसीलिए लोग बच्चों को छोटी उम्र से ही भरतनाट्यम सिखाना शुरु कर देते है. हालांकि, भरतनाट्यम वाकई बहुत खूबसूरत डांस फॉर्म है.इससे हाथ और पैर भी मजबूत होते है.कई बार तो मुझे लगता है कि अगर इस पर हम और अच्छी तरह फोकस कर लें और खूब मन से सीखे तो जिम जाने का ढेर सारा वक्त बचा सकते है.

***आखिर, ऋतिक रोशन के लिए सिद्धांत से समझौता क्यों?***

क्योंकि मैं ऋतिक रोशन की बहुत बड़ी फैन हूं.बता दूं कि हाल ही में मैं उनसे टकरा गई थी और मैंने अजीब-ओ-गरीब हरकतें करनी शुरु कर दी. मैंने ऋतिक से कहा कि मैं आपकी बहुत बड़ी फैन हूं. मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या कहूं. इसके बाद उन्होंने कहा कि क्या आपको मेरे साथ पिक चाहिए? मैंने कहा जी हां... मुझे ऐसा लग रहा था कि ऋतिक को सामने देख मैं फिर से 16 साल की लड़की बन गई हूं. हालांकि, मैं स्क्रीन पर किस नहीं करती हूं और ये मेरे कान्ट्रैक्ट का पार्ट भी होता है. लेकिन मैं अपने दोस्तों के साथ मजाक में यह जरुर कहती हूं कि मैं ऋतिक रोशन के लिए अपना किसिंग रुल तोड़ सकती हूं.

***फिल्मों में किसिंग सींस आजकल बेहद आम है, क्या कहेंगी?***

किसिंग सींस बॉलीवुड में तो चलन में है ही,लेकिन साउथ के साथ-साथ और दूसरी क्षेत्रीय फिल्मों में भी इसका असर है.कई बड़ी हिरोइनें अब तक ऑनस्क्रीन इस तरह के सींस कर चुकी है,लेकिन मैं अब तक नो किस पॉलिसी पर अडिंग हूं.

# खुद लेती हूं अपने फैसले: हुमा

**हुमा कुरैशी पहली बार अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर पार्ट 2 से चर्चा में आई थीं. उसके बाद हुमा ने एक थी डायन, लव शव ते चिकन खुराना, बदलापुर और जॉली एल.एल.बी.2 जैसी कई हिट फिल्में दी. इन दिनों हुमा अपने करियर के सबसे अच्छे दौर से गुजर रही हैं. पिछले दिनों उन्होंने अक्षय कुमार के साथ फिल्म जॉली एल.एल.बी. 2 में काम किया था, जो जबरदस्त हिट रही. पेश हैं, उनके हुई बातचीत के चुनिंदा अंश-**

***फिलहाल किन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं?***

टी.वी. सीरीज लीला में काम कर रही हूं परंतु इसके साथ ही मुझे एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट भी मिला है. यह अमेरिकी निर्माता जैक स्नाइडर की फिल्म आर्मी ऑफ द डैड है जिसे लेकर मैं बहुत उत्साहित महसूस कर रही हूं.

***क्या आप भी मानती हैं कि बॉलीवुड में पक्षपात होता है और यहां भाई-भतीजावाद हावी है?***

हां, अगर मैं कहूं कि बॉलीवुड में पक्षपात नहीं होता है तो यह झूठ होगा, लेकिन उससे भी बड़ा सच यह है कि फिल्म इंडस्ट्री के लोग काफी मेहनती हैं. सच्चाई यह है कि यहां भाई-भतीजावाद चलता है. अगर कोई कहे कि यहां ऐसा नहीं है, तो इसका मतलब यह है कि वह झूठ बोल रहा है. हालांकि, इंडस्ट्री के लोग बहुत मेहनती हैं और अपने काम को लेकर जुनूनी हैं और आपको उनके काम का क्रेडिट कठिन मेहनत और क्षमता को देना होगा, लेकिन इंडस्ट्री से होना उनके काम को आसान जरुर बना देता है.

***पहले फिल्म लाइन में आपके आने के फैसले से आपके पापा खुश नहीं थे. अब क्या स्थिति है?***

हां, पहले मेरे पापा नहीं चाहते थे कि मैं फिल्मों में जाऊं लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है. अब तो डैड भी मानते हैं कि बॉलीवुड बेहद पॉपुलैरिटी देने वाला एक अच्छी फील्ड है. जब उन्हें कोई मेरी वजह से सम्मान देता है, तो उन्हें मुझ पर गर्व होता है. असल में वह एक ट्रेडीशनल फैमिली से हैं, इसलिए सिनेमा की दुनिया से उनकी काफी दूरी थी, लेकिन अब पाया मेरे फैसले से खुश हैं.

***आजकल आप अच्छी फिल्में कर रही हैं. क्या फिल्म सिलेक्शन को लेकर किसी से सलाह लेती है?***

नहीं, क्योंकि अब मैं भी इस लायक हो गई हूं कि अपने फैसले खुद ले सकूं. लेकिन, यह जरुर बताना चाहूंगी कि अगर कोई प्रॉब्लम होती है, तो मैं अनुराग कश्यप से सलाह अवश्य लेती हूं. इसकी वजह यह है कि हर किसी को बॉलीवुड में अपने से बड़े एवं अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेनी ही चाहिए, बशर्ते आपके बीच कंफर्ट लैवल हो. वैसे, आगे बढ़ने के लिए एक्सपीरिएंस मायने

रखता है. किसी की राय एक सीमा तक ही काम आती है.

***आपके प्रेम-प्रसंग की बातें भी अक्सर सुनने को मिलती हैं. क्या और कितनी सच्चाई है?***

शुरु में तो मेरा नाम निर्देशक अनुराग कश्यप से भी जोड़ा गया था, जिनकी फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से मैंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी. सच तो यह है कि मैं अपने प्रेम-प्रसंग से जुड़ी अफवाहों के बारे में सोचती तक नहीं हूं. मेरा परिवार भी जानता है कि मैं किस टाइप की लड़की हूं और इन अफवाहों में सच क्या है. मैं इन खबरों से खुद को परेशान नहीं होने देती. मैं हमेशा मानती हूं कि किसी कलाकार के साथ प्रेम-प्रसंगों के बदले प्रशंसकों के साथ आपका रिश्ता सबसे महत्वपूर्ण होता है. लेकिन, जब भी मेरे सामने ऐसा कुछ आता है, जो बेहद अप्रिय और घटिया होता है, तो मैं सीधे सोशल मीडिया पर जाकर उस पर प्रतिक्रिया देती हूं.